भजन

तर्ज–भूली बिसरी एक कहानी

भूल गई थी अंगना दिवानी,
याद दिलाई निसबत पुरानी

1–हमने तो तकरार कीन्हा,ना एतबार कीन्हा
इन्कार कीन्हा,खेल मे रूहे रही भरमाई

2–अंगना को तड़पाया तुमने, उपजाया तुमने
अपनाया तुमने,तेरी पिया है बड़ी मेहरबानी

3–हृदय मे चढ़ चढ़ आयी,खिलवत हमारी निसबत हमारी
तेरी दुल्हनिया तेरी मस्तानी,तुमने निभाई शर्ते पुरानी

4–माशूक प्यारे तुम्हारी रूहें बलिहारी,जाएं वारी वारी
वारूं पिया पर मै यह जिन्दगानी,कुरबानी है यह रूहानी